वाइटल स्टैट्स
आम चुनाव 2024 में उम्मीदवारों का प्रोफाइल

18वीं लोकसभा के चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून, 2024 के बीच संचालित किए गए। इस दौरान 543 निर्वाचन क्षेत्रों में 8,360 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। इस नोट में चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों का प्रोफाइल ददया गया है।

बसपा ने सबसे ज्यादा संख्या में उम्मीदवार चुना विधान में उतारे, उसके बाद भाजपा का स्थान नोट:

AIFB - ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक; NPP - नेशनल पीपुल्स पार्टी। इस रेखाचार्ट में लसफा राष्ट्रीय पादटायां और राज्य स्तरीय पादटायां शामिल हैं जिन्हें 20 से अचिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं।

- इस चुनाव में 744 पार्टियों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से 744 पार्टियों ने राष्ट्रीय पादटायों के रूप में मान्यता दी है। राष्ट्रीय पादटायों के 16% उम्मीदवार और राज्य स्तरीय पादटायों के 6% उम्मीदवार हैं। 47% उम्मीदवार निर्दलीय हैं।

- बसपा ने सबसे ज्यादा 488 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। राज्य स्तरीय पादटायों में समाजवादी पार्टी (71) और तृणमूल कांग्रेस (48) ने सबसे अचिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। छह राष्ट्रीय पादटायों में से नेशनल पीपुल्स पार्टी ने सबसे कम उम्मीदवार (तीन) उतारे हैं, उसके बाद आप (22) का स्थान है।

- गैर-मान्यता प्राप्त पादटायों में सोशल यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने सबसे अचिक उम्मीदवार (150) उतारे हैं। उसके बाद पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने 79 उम्मीदवार उतारे हैं।

- 488 पार्टियों ने अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। इनमें से 20 से अचिक उम्मीदवार निर्दलीय हैं।

- तलमलनाके करूर में उम्मीदवारों की संख्या सबसे अचिक (54) थी। इनमें से 46 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा है (85%)। आठ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में 40 से अधिक उम्मीदवार थे।

- सूरत में भाजपा उम्मीदवार बिना चुनाव ए ही जीत गए, क्योंकि अन्य सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया था।
आम चुनाव 2024 में उम्मीदवार की प्रोफाइल

अधिकतर उम्मीदवार मध्यम आयु वर्ग के; कुछ ही पार्टियों ने युवा उम्मीदवार उतारे

पीआरएस लेस्ट देस्टर का 31 मई, 2024 - 2

अधिकतर उम्मीदवार मध्यम आयु वर्ग के; कुछ ही पार्टियों ने युवा उम्मीदवार उतारे।

नोट: यहाँ लिखे हैं राज्यों में न्यूनतम आयु 10 वर्ष का है।

- इस चुनाव में लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत आयु 48 वर्ष है। उम्मीदवारों की औसत आयु भी राज्यों में काफी अलग-अलग होती है। तेलंगाना में उम्मीदवारों की औसत आयु 44 वर्ष है, जबकि केरल में 55 वर्ष है।

- राष्ट्रीय पार्टियों में से 13% उम्मीदवार 40 वर्ष से कम आयु के हैं। बंसा द्वारा में उतारे गए 20% उम्मीदवार (98 उम्मीदवार) 40 वर्ष से कम उम के हैं। एनपीपी और डीएमके का कोई भी उम्मीदवार 40 वर्ष से कम उम का नहीं है। नाम तलमल काची द्वारा में उतारे गए 43% उम्मीदवार 40 वर्ष से कम उम के हैं। कम से कम 40 उम्मीदवारों वाली गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों के लिए यह उच्चतम अनुपात है।

केवल 10% उम्मीदवार महिलाएं हैं

- आम चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या 1957 में 3% से बढ़कर 2024 में 10% हो गई है। छह राष्ट्रीय दलों में से भाजपा में महिला उम्मीदवारों की संख्या और अनुपात सबसे अधिक (16%) है। एनपीपी के तीन उम्मीदवारों में दो महिलाएं हैं। 20 अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने वाले क्षेत्रों में बीजपा (33% महिला उम्मीदवार) और जनता (29%) में महिला उम्मीदवारों का अनुपात सबसे अधिक है। नाम तलमल काची द्वारा में उतारे गए 50% उम्मीदवार (40 में से 20 उम्मीदवार) महिलाएं हैं।

- यह जंक्टर के छह ज्यादा पार्टियों ने चुनाव लड़ा है। इनमें से चार उम्मीदवारों ने मन्दीलीय के तौर पर चुनाव लड़ा है, और दो ने गैर मान्यता प्राप्त पार्टियों के उम्मीदवारों के तौर पर। 2014 और 2019 के चुनावों में भी यह जंक्टर के छह उम्मीदवार थे।
17वीं लोकसभा के 60% सांसदों दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं

प्रमुख राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों में से 27% पहले सांसद रहे हैं (जोट देखें)। 25% पहले लोकसभा सांसद रहे हैं, और 4% राज्यसभा सांसद रहे हैं। 2% उम्मीदवार लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य रहे हैं।

17वीं लोकसभा के 132 सांसद फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से 30 सांसद दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं।

18 सांसद ऐसे थे, जिन्होंने 17वीं लोकसभा में निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था, उससे अलग निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़।

17वीं लोकसभा के 34 सांसद अलग-अलग पाटी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से ऐसे 11 मामलों में विभाजन के कारण हैं, जैसे कि शिपसेना, राक्षा और लोक जन शक्ति के मामले।

73 उम्मीदवारों को राज्यसभा का अनुबंध है। एक उम्मीदवार ने राज्यसभा में पांच कार्यकाल पूरे किए हैं और दो ने चार-चार कार्यकाल पूरे किए हैं। 25 उम्मीदवार वर्तमान में राज्यसभा के सदस्य हैं, या उन्होंने 2024 में अपनी सीटें खाली कर दी हैं। प्रमुख राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों में से 11 उम्मीदवारों ने लोकसभा में छह या उससे अधिक कार्यकाल पूरे किए हैं।

53 मामलों में, यह चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से तीन मामले वर्तमान में राज्यसभा के सदस्य हैं, और पांच अन्य ने अप्रैल 2024 में अपना राज्यसभा कार्यकाल पूरा किया।

राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों के 31% उम्मीदवारों ने कॉलेज की डिग्री पूरी नहीं की है

उम्मीदवारों की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता

विभिन्न राज्यों के उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता

ंज्योत: इसमें अन्य उम्मीदवारों का शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उनका विवरण उपलब्ध नहीं था।

ताज्जुब: प्रमुख उम्मीदवारों में राजनीतिक पार्टियों और राज्य की मान्यता पाने वाले पार्टियों को दक्षिण में उत्तर लगाते सभी उम्मीदवार शामिल हैं, साथ ही वे पार्टियों भी इसमें शामिल हैं जो दो मुख्य चुनाव बैठकों, शेषनाल क्षेत्रकीटिक अनुमानों और इंडियन नेशनल डेलीमेंट उच्चतम अनुमान का हिस्सा हैं। इसमें विभिन्न दूसरी भी पार्टियों से चुनाव लड़ने वाले पूरे सांसद और विशेषतः चुनाव लड़ने वाले राज्य की शामिल हैं। इस विवरण में 1,816 उम्मीदवारों को शामिल किया गया है।

31 मई, 2024
• प्रमुख पार्टियों के 69% उम्मीदवारों के पास कम से कम स्नातक डिग्री है। 4% उम्मीदवारों के पास डॉक्टरेट डिग्री है।
• आंध्र प्रदेश और केरल में 82% उम्मीदवारों के पास कम से कम स्नातक की डिग्री है। छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात और पंजाब में ऐसे उम्मीदवारों का अनुपात सबसे अधिक है, जिनके पास स्कूली शिक्षा है।

स्रोत: भारतीय निर्वाचन आयोग; लोकसभा और राज्यसभा की वेबसाइट्स; पीआरएस।

अवशीक्षण: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समस्त सुझाव प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेज्जसलेटिव रिपोर्ट (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूरा स्पष्ट या आलोचनात्मक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःरचना या पुनःसंपादन किया जा सकता है। पीआरएस में प्रस्तुत विचार के लिए अंतर्गत लेखक या लेखिका उपस्थित है। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यक्तिगत दृष्टि के लिए प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किन्तु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूरी है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। पीआरएस को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के बीच एक भागीदारी संबंध है। पीआरएस को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के बीच एक भागीदारी संबंध है। पीआरएस नहीं दावा करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूरी है। पीआरएस नहीं दावा करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूरी है। पीआरएस नहीं दावा करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूरी है। पीआरएस नहीं दावा करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूरी है।